

दानियेल ने यहोवा का कहना माना

दानियेल अध्याय 1

यरुशलेम पर मुसीबत टूट पड़ी है। बैबिलोन की सेना ने उस पर कब्ज़ा कर लिया है।

उन्होंने यहोवा के मंदिर को भी नहीं छोड़ा, उसका सारा खज़ाना उठा ले गए।

वे कुछ नौजवानों को भी अपने साथ ले गए।

मेरे बच्चे,
तुम्हारी बहुत
याद आएगी।

हम तुम्हारे साथ
नहीं होंगे लेकिन
याद रखना, हम
तुमसे प्यार करते हैं।

बेटा दानियेल, यहोवा
के करीब रहना और
जहाँ भी रहो, हमेशा
उसका कहना मानना।

जी पिताजी।

दानियेल और दूसरे नौजवान
बैबिलोन पहुँचें।

यह हम
किस दुनिया
में आ गए?

मैंने ऐसी जगह
पहले कभी
नहीं देखी।

वाह! क्या
जगह है!

देखो! दीवारें
कितनी ऊँची हैं
और यहाँ सबकुछ
मिलता है!

वे हमारे साथ
क्या करनेवाले हैं?

वे हमें यहाँ
क्यों लाए हैं?

तीन साल तक बैबिलोन के लोगों ने इसराएली नौजवानों
को अपनी तरह बनाने की कोशिश की।

तुम अब बैबिलोन में हो
और बैबिलोन के राजा का
हुक्म है कि तुम्हें बैबिलोनी
नाम दिए जाएँ, तुम यहाँ
की भाषा सीखो . . .

. . . और
यहाँ का सबसे
अच्छा खाना
खाओ।

बैबिलोन के लोग
अशुद्ध जानवर खाते हैं,
उनका खून भी नहीं
बहाते। वे अपना खाना
मूरतों को चढ़ाते हैं। हम
यह सब नहीं खा सकते!

लेकिन यह राजा का
हुक्म है। हम इसे कैसे
टाल सकते हैं . . .

हमें सबसे
बढ़कर परमेश्वर
का नियम
मानना चाहिए।

पर वह नियम
तो इसराएल में
माना जाता है,
बैबिलोन में नहीं।

वह नियम
यहोवा ने दिया है।
हम जहाँ भी रहें,
हमें उसे मानना
चाहिए।

अगर हम नहीं भी मानें,
तो क्या फर्क पड़ता है?
हमारे माँ-बाप और याजक
थोड़े ही हमें देख रहे हैं।

उन्हें छोड़ो
दानियेल। हम
यहोवा का नियम
मानेंगे।

फिर दानियेल, हनन्याह, मीशाएल और अजरयाह ने देखभाल करनेवाले अधिकारी से बात की।

यहोवा हमारा परमेश्वर है और हम उसे खुश करना चाहते हैं।

तुम मुझसे क्या चाहते हो?

मेहरबानी करके दस दिन तक हमें सिर्फ साग-सब्जी और पानी दे।

फिर जाँचकर देख कि हम दूसरों से तंदुरुस्त लग रहे हैं या कमज़ोर।

दूसरे लड़कों ने शायद सोचा हो कि दानियेल और उसके साथी बेवकूफ हैं। राजा उन्हें बढ़िया ज़िंदगी और अच्छा खाना दे रहा है और वे मना कर रहे हैं।

लेकिन दानियेल और उसके दोस्तों ने ठान लिया था कि वे यहोवा का कहना मानेंगे। क्या यहोवा ने उन्हें आशीष दी?

दस दिन बाद अधिकारी ने दानियेल और उसके दोस्तों की जाँच की।

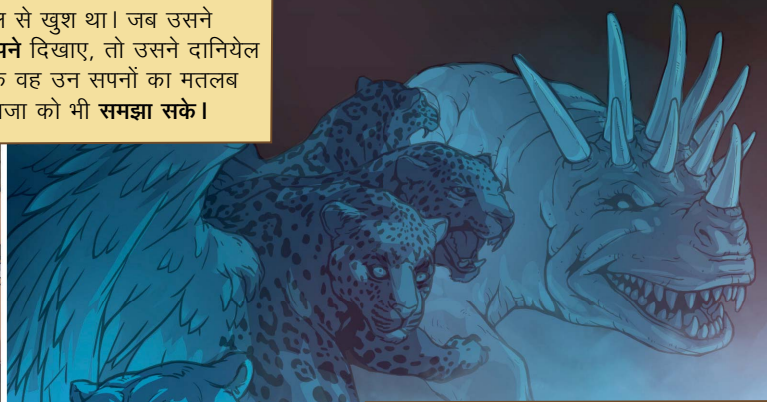
तुम लोग तंदुरुस्त लग रहे हो! तुम तो दूसरों से ज़्यादा अच्छे दिख रहे हो!



तीन साल बाद उन्हें राजा के सामने लाया गया। राजा ने देखा कि वे दूसरों से ज़्यादा बुद्धिमान हैं, इसलिए उसने उन्हें अपने महल में सेवा करने के लिए कहा।



यहोवा भी दानियेल से खुश था। जब उसने राजा को खास सपने दिखाए, तो उसने दानियेल की मदद की ताकि वह उन सपनों का मतलब समझ सके और राजा को भी समझा सके।



हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?

दानियेल और उसके दोस्तों के लिए नम्र रहना और यहोवा पर भरोसा करना क्यों मुश्किल रहा होगा?

सुराग: दानियेल 1:4.

दानियेल क्यों राजा के हुक्म के बजाय यहोवा का नियम मान सका?

सुराग: भजन 119:112; दानियेल 1:8.

जब माता-पिता आपके साथ नहीं होते, तब क्या बात यहोवा की आज्ञा मानने में आपकी मदद करेगी?

सुराग: नीतिवचन 15:3; 1 यूहन्ना 5:3.

यहोवा ने दानियेल को भी सपने दिखाए! उनमें से कुछ सपने भविष्य के बारे में थे।

